विदू.। की देवदारहस्साइं तक्कइस्सादे।

प्रविइय कञ्चुकी ।

कञ्च । जयतु जयतु देवः । देव च्यवनाश्रमात्कुमारं गृहीत्वा तापसी संप्राप्ता देवं द्रष्टुमिच्छति ।

5 राजा। उभयमप्पविलम्बितं प्रवेशय।

कञ्जु.। यदाज्ञापपति देवः।

इति निष्क्रम्य चापहस्तेन कुमारेण तापस्या च सह प्रविष्टः।

कञ्चु. | इत इतो भवती | सर्वे परिक्रामन्ति |

बिदू.। विलोक्य। विकेण खुसो एसी तत्तभवं खित्तअकुमारओ जस्स

१ को देवतार इस्पानि तर्कापिष्पति।— २ किं न खलु स एष

speeches after तत्रभवत्याः, thus:-विदू. | किं भण्णं | महाराभो परिह-रिस्सादिति |

राजा | कृतं परिशासेन | विचिन्त्य-ताम् [N.N2.K.चिन्त्यताम् | U. ins. वयस्य bef. विचिन्त्यताम्:] The first of these speeches is read by U.K. thus:

विद्. | मा नुद्धें मं राभा परिहारिस्स-दिसि |

and by B. thus:

विद. | अत्ताणं महाराओ परिभविस्स-

But A. G. and Kâțavema omit them.

- 1. A.N.N₂. ins. णाम, and B. णु खु, after की. A.N.N₂.B. °रइ-स्साण. U.K. तिकस्सिंद.
- 2. G.तत: प्रविश्य &c. and does not repeat कञ्चुकी. B. कञ्चुकी-य:. P. काञ्चुकीय:.

- 3. B.P.U.जयन देव:. G. om. जयन जयन देव:. U.ins. एषा खल before च्यवना . B.P.om. देव. P.कमाप कुमारं.
- 4. G.K. P. ins. कापि before तापसी. U. K. om. संप्राप्ता.
- 5. B.P.डमी for उभयम्. K.विश-
- 6. B.महाराज: for देव:.
- 7. U.तथित नि:क्रम्य नामसीसहितं कु-मारमादाय प्रविष्ट:. B. om. च. A. पुन: प्रविद्य, and N.N2.B.P. प्रविद्य, for प्रविष्ट:.
- 8. U.om. this speech of Kanchukt. G.P.भवति. A.भगवती. B. om. भगवती. P.परिक्रामित for सर्वे परिक्रामिन्ति.
- 9. P.कुमारं विलोक्य. U. rends the whole speech thus: णं खु एसी क्खिल अकुमारो जस्स णामक्कियों गिड- लक्खिक विश्व गाराओं उवलको तथ्यभव-